

बच्चों का आरोप-कक्षा में पढ़ाई के बजाय शिक्षक घंटों अलग कमरे में रहते हैं, बिना निगरानी भटकते रहते हैं छात्र

पढ़ाई छोड़ बंद कमरे में शिक्षक! आदिवासी स्कूल की व्यवस्था पर गंभीर सवाल

हरिभूमि न्यूज़►►छिन्दवाड़ा

शिक्षा का मंदिर कहे जाने वाले स्कूलों में शिक्षक बच्चों को पढ़ाने, उनका भविष्य संवारने और उन्हें बेहतर ईंसान बनाने की जिम्मेदारी निभाते हैं। लेकिन जब यही शिक्षक अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़कर स्कूल में पढ़ाई के बजाय दूसरे कामों में समय बिताने लगें तो सवाल उठना स्वाभाविक है। आदिवासी क्षेत्र के एक स्कूल से सामने आई शिकायतों ने शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्कूल में पढ़ने वाले आदिवासी छात्रों ने जो बातें बताई हैं, वे केवल एक स्कूल की व्यवस्था पर सवाल नहीं उठातीं, बल्कि यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि आखिर सरकारी स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई को लेकर जिम्मेदार अधिकारी कितने गंभीर हैं।

बच्चों का आरोप—कक्षा में पढ़ाई कम, बंद कमरे में गतिविधियां ज्यादा

छात्रों का कहना है कि स्कूल में कई बार शिक्षक बच्चों को पढ़ाने के बजाय अलग कमरे में चले जाते हैं। कमरे का दरवाजा बंद कर लिया जाता है और काफी समय तक शिक्षक वहीं रहते हैं। इस दौरान कक्षा में बच्चे बिना निगरानी के बैठे रहते हैं। कई बार बच्चे आपस में बातचीत करते रहते हैं तो कई छात्र स्कूल परिसर में इशर-उधर घूमते रहते हैं। छात्रों का सवाल है कि जब शिक्षक स्कूल में बच्चों को पढ़ाने के लिए आते हैं, तो फिर उन्हें बंद कमरे में इतना समय बिताने की जरूरत क्यों पड़ती है?



अधिकारी अचानक स्कूल पहुंचें तो खुल सकती है पूरी तस्वीर

शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सामान्य निरीक्षण व्यवस्था पर भी सवाल उठते रहे हैं। यदि अधिकारी पहले से सूचना देकर स्कूल पहुंचते हैं तो व्यवस्था कुछ समय के लिए ठीक दिखाई दे सकती है। ऐसे मामलों में अचानक निरीक्षण ज्यादा प्रभावी हो सकता है।यदि जिला या विकासखंड स्तर के अधिकारी बिना सूचना स्कूल पहुंचें और कक्षा संचालन की वास्तविक स्थिति देखें तो कई सवालों के जवाब मौके पर ही मिल सकते हैं।

दोषी मिले तो कार्रवाई जरूरी

शिक्षकों को भी अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। यदि शिकायत गलत है तो जांच के बाद यह बात साफ हो जाएगी। लेकिन यदि जांच में यह साबित होता है कि शिक्षक नियमित रूप से कक्षाओं से गायब रहते हैं, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित करते हैं या स्कूल समय में अनुशासनहीनता करते हैं तो जिम्मेदारों पर नियमानुसार कार्रवाई होना जरूरी है।सिर्फ जांच के नाम पर खानापूर्ति करने से समस्या का समाधान नहीं होगा। विभाग को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में ऐसी शिकायतें दोबारा सामने न आएँ।

आखिर कमरे के अंदर क्या होता है?

यदि वहां कोई जरूरी शासकीय काम होता है तो उसकी जानकारी स्कूल के रिकॉर्ड में क्यों नहीं होती?हलांकि, इन आरोपों की वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकती है। इसलिए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच बेहद जरूरी है।

सवाल सिर्फ एक कमरे का नहीं, बच्चों के भविष्य का है

बंद कमरे में शिक्षक क्या करते हैं, यह जांच का विषय है। लेकिन उससे भी बड़ा सवाल यह है कि जब शिक्षक कमरे के अंदर हैं तो उस समय बच्चों को कौन पढ़ा रहा है?सरकारी स्कूल में आने वाला प्रत्येक बच्चा सरकार और व्यवस्था की जिम्मेदारी है। आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि उनकी जिंदगी बदलने का माध्यम है।इसलिए शिक्षा विभाग को चाहिए कि मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच कराए। बच्चों के बयान लिए जाएं, स्कूल के रिकॉर्ड की जांच हो, अचानक निरीक्षण कराया जाए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार शिक्षकों पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई हो जाए। क्योंकि स्कूल की चारदीवारी के भीतर होने वाली हर गतिविधि से ज्यादा महत्वपूर्ण बच्चों का भविष्य है। शिक्षा के मंदिर में यदि पढ़ाई की जगह लापरवाही हावी हो रही है तो उस पर पर्दा डालने के बजाय सच्चाई सामने लाना जरूरी है।

छात्रों ने बताई अपनी परेशानी

छात्रों का कहना है कि कई बार उन्हें अपनी पढ़ाई को लेकर शिक्षकों से मदद चाहिए होती है, लेकिन शिक्षक उपलब्ध नहीं रहते। कुछ बच्चों ने यह भी आरोप लगाया कि कक्षा में शिक्षक के नहीं रहने पर पढ़ाई का माहौल खराब हो जाता है।बच्चों की बात को हटके में लेने के बजाय शिक्षा विभाग को इससे गंभीरता से लेना चाहिए। खासकर आदिवासी विद्यार्थियों की शिक्षा से जुड़ा मामला होने के कारण वरिष्ठ अधिकारियों को स्वयं स्कूल पहुंचकर वास्तविक स्थिति देखनी चाहिए।

स्कूल में लगे सीसीटीवी और रिकॉर्ड की हो जांच

यदि विभाग को शिकायतों की सच्चाई जाननी है तो जांच केवल कानूनों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। स्कूल की उपस्थिति पंजिका, शिक्षक उपस्थिति, टाइम-टेबल, कक्षा संचालन और उपलब्ध रिकॉर्ड की जांच की जानी चाहिए। यदि स्कूल में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं तो संबंधित अवधि की रिकॉर्डिंग भी देखी जा सकती है। इससे यह पता चल सकता है कि शिक्षक वास्तव में कक्षाओं में कितना समय दे रहे हैं और कितने समय तक अन्य कमरों में रहते हैं। साथ ही छात्रों से अलग-अलग बातचीत कर उनकी शिकायतें दर्ज की जानी चाहिए, ताकि किसी ढ़ाबव के बिना वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

सराहनीय सेवा के लिए एएसपी श्री खरे राष्ट्रपति पदक से सम्मानित

छिन्दवाड़ा। प्रदेश और छिंदवाड़ा जिले के लिए गौरव का विषय है कि राज्य पुलिस सेवा के वर्ष 2001 बैच के अधिकारी एवं वर्तमान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, छिंदवाड़ा के पद पर पदस्थ श्री आशीष खरे को पुलिस सेवा में उत्कृष्ट एवं सराहनीय योगदान के लिए राष्ट्रपति पदक से अलंकृत किया गया है। यह सम्मान उन्हें 15 अगस्त 2026 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हस्ते प्रदान किया गया। श्री खरे की राज्य पुलिस सेवा में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर पदस्थाना रही है। उन्होंने डीएसपी सरलाम, 17वीं बटालियन भिंड, 10वीं बटालियन सागर, सीएसपी सागर, सीएसपी गुना, सीएसपी भोपाल, एआईजी एसटीएफ, एआईजी ईओडब्ल्यू, 18वीं बटालियन शिवपुरी तथा एआईजी सीआईडी के पदों पर सेवाएं दी हैं। उल्लेखनीय है कि सराहनीय सेवा के लिये राष्ट्रपति पदक प्रदान किए जाने की घोषणा 14 अगस्त 2025 को की गई थी। उस समय श्री आशीष खरे अपराध अनुसंधान विभाग, पुलिस मुख्यालय भोपाल में सहायक पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पदस्थ थे। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2026 को भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा उन्हें राष्ट्रपति पदक प्रदान किया गया। राष्ट्रपति पदक से अलंकृत अधिकारियों को मुख्यमंत्रीजी एवं राज्यपाल महोदय द्वारा अपने निवास पर आमंत्रित कर भी सम्मानित किया गया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायण और पुलिस अधीक्षक श्री अनवर पाण्डेय ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री खरे को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्री खरे को लगभग 25 वर्ष की शासकीय सेवा के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा करीब 150 प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्राप्त हो चुके हैं।



श्रम विभाग का एवशन, टंकी निर्माण स्थल पर मिला किशोर श्रमिक, 12,480 रुपये ओवर-टाइम का तुरंत भुगतान कराने के निर्देश



छिंदवाड़ा। कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ के सख्त निर्देशों के बाद एवशन मोड में आए श्रम विभाग ने शहर में चल रहे निर्माण कार्यों पर सीधी पेनी नजर गाड़ी दी है। 17 अगस्त को जवाहर वार्ड, राम नगर स्थित पानी की टंकी निर्माण स्थल पर औचक निरीक्षण के दौरान श्रम विभाग की टीम ने नियमों की धड़ियां उड़ाते ठेकेदार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान कार्यस्थल पर न केवल सुरक्षा मानकों की अनदेखी पाई गई, बल्कि एक किशोर श्रमिक भी काम करता हुआ पकड़ा गया।

नियमों से ज्यादा करया काम, 12,480 रुपये का भुगतान : जांच अधिकारी जिला श्रम विभाग के खिलाफ बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के तहत वैधानिक कार्रवाई शुरू की। पड़ताल में सामने आया कि किशोर श्रमिक से निर्धारित सीमा से अधिक घंटों तक काम लिया जा रहा था। श्रम विभाग ने सख्त रुख अपनाने हुए ठेकेदार को तुरंत प्रभाव से उक्त किशोर श्रमिक को 12,480 रुपये की ओवर-टाइम राशि का भुगतान करने के कड़े निर्देश दिए। कार्रवाई के दौरान श्रम निरीक्षक सरिता साहू ने ठेकेदार फर्म को स्पष्ट चेतावनी दी कि निर्माण स्थल पर कार्यरत हर एक मजदूर को निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप जरूरी सुरक्षा उपकरण (मिजल ठळमते) तत्काल मुहैया कराए जाएं। कार्य अवधि के नियमों और श्रम कानूनों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। कार्रवाई के दौरान श्रम निरीक्षक सरिता साहू के साथ उप निरीक्षक अरविंद मरावी, महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर अनिता सलामे, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कल्पना बुआई, सहायिका सुनोचना डहारे तथा जन शिक्षक प्रवीण गोलाइत मौजूद रहे।

कच्ची शराब के खिलाफ महिलाओं का हल्लाबोल

जनसुनवाई में कलेक्टर से गुहार, पुलिस और एसडीएम पर कार्रवाई न करने का आरोप



हरिभूमि न्यूज़►►छिंदवाड़ा

जिले के मोहगांव क्षेत्र में बेधड़क चल रहे अवैध कच्ची शराब के काले कारोबार से त्रस्त ग्राम भुम्मा (नंदेवानी जलाशय के पास) की दर्जनों ग्रामीण महिलाओं ने

जनसुनवाई में पहुंची महिलाओं ने अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा कि अवैध शराब की धड़ल्ले से हो रही बिक्री के कारण गांव का सामाजिक माहौल पूरी तरह बिगड़ चुका है और शांति खतरे में पड़ गई है। स्थिति इतनी विकट हो चुकी है कि शराब माफियाओं के घरों के सामने दिन-रात असामाजिक तत्वों का मेला लगा रहता है। इस अवैध धंधे के कारण आए दिन ग्रामीण परिवारों में घरेलू हिंसा और मारपीट की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। शाम ढलते ही महिलाओं व बेटियों का गांव की गलियों से निकलना दूभर हो गया है।

पुलिस और प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल

मीडियाकर्मियों से चर्चा करते हुए शिकायतकर्ता महिलाओं ने स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी मोहगांव पुलिस थाना और सौरभ एसडीएम कार्यालय में कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन दोनों ही विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। ग्रामीण महिला हिराजतों धुवें ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए सनसनीखेज आरोप लगाया कि पूर्व में शिकायत के बाद मोहगांव पुलिस ने आरोपियों को पकड़ा जरूर था, लेकिन बाद में उन्हें रास्ते से ही छोड़ दिया गया।

कार्रवाई न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

महिलाओं ने कलेक्टर से मामले में त्वरित हस्तक्षेप कर अवैध शराब भट्टियों को ध्वस्त करने और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। झांपन सौपने वाली महिलाओं ने प्रमुख रूप से हिराजती धुवें, बखीता कड़वे, लीला कवडेती, चम्पा दोले, कमला बुवाइ, रेश्मा उर्डके, नवमी कवडेती सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं शामिल थीं।

हर्षोल्लास से मनाया हरतालिका तीज

हरिभूमि न्यूज़►►छिंदवाड़ा

राजीव भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय में हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ हरतालिका तीज मनाया गया। शहर महिला कांग्रेस के तत्वावधान में आयोजित हरिताली तीज श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत पूजा-अर्चना के साथ हुई जिसमें कांग्रेस परिवार की मातृशक्ति के अलावा विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संगठनों से जुड़ी माताएं एवं बहनें कार्यक्रम में शामिल हुए।



आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुई समस्त माताओं बहनों ने हरियाली तीज से जुड़े विभिन्न सुमधुर धार्मिक व फिल्मी गीतों का गायन किया। कार्यक्रम के अंत में समस्त मातृशक्ति

ने एक दूसरे को टीका लगाकर हरियाली तीज की शुभकामनाएं दीं साथ ही सभी के उज्ज्व व खुशहाल जीवन की भगवान शंकर एवं माता गौरी से कामना की।

ट्रकों का डाउन मारना बना हादसों की वजह, लगातार दुर्घटनाओं के बावजूद प्रशासन मौन

पुलिसकर्मियों ने उन्हें ट्रक के नीचे से निकालने का किया प्रयास, घायल को उपचार के लिए अस्पताल किया रेफर

हरिभूमि न्यूज़►►परासिया

सोमवार रात करीब 9 से 10 बजे के बीच छिंदा कूल स्थित पुराने कांटा घर के पास तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से छिंदा निवासी राम गणेश माधुरे गंभीर रूप से घायल हो गए। शिवपुरी की ओर से आ रहे ट्रक ने परासिया की ओर जा रहे बाइक सवार राम गणेश माधुरे को टक्कर मार दी।

हादसा इतना भीषण था कि बाइक ट्रक के सामने वाले हिस्से में फंस गई, जबकि राम गणेश माधुरे भी ट्रक के नीचे फंस गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार राम गणेश माधुरे करीब एक से डेढ़ घंटे तक ट्रक में फंसे रहे। हादसे के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और पुलिसकर्मियों ने उन्हें ट्रक के नीचे से निकालने का प्रयास किया।

बाइक और घायल के ट्रक में फंसे होने के कारण काफी



लगातार हादसों के बाद भी ठोस कार्रवाई नहीं

स्थानीय लोगों का कहना है कि शिवपुरी से लेकर बीजी साईडिंग परासिया तक कई स्थानों पर ढलान आते ही ट्रक चालक वाहनों को डाउन मारकर तेज गति से आगे बढ़ते हैं। इससे भारी वाहन अनियंत्रित होने की स्थिति में आ जाते हैं और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लोगों का कहना है कि भारी वाहनों की आवाजाही वाले इस मार्ग पर दुर्घटना संभावित स्थानों को चिह्नित कर गति नियंत्रण और नियमित पुलिस निगरानी की व्यवस्था की जानी चाहिए। इसके बावजूद लगातार हादसों के बाद भी प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है।

चेकिंग व्यवस्था पर भी उठ रहे सवाल

स्थानीय सूत्रों के अनुसार भारी वाहनों की पुलिस चेकिंग के दौरान कथित तौर पर प्रभावशाली लोगों के फोन आने की चर्चा भी सामने आती रही है। हालांकि इन आरोपों की किसी अधिकारी या संबंधित व्यक्ति की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में आरोपों की निष्पक्ष जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकती है।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि शिवपुरी से परासिया मार्ग पर भारी वाहनों की गति की नियमित जांच की जाए। साथ ही ढलान वाले संवेदनशील स्थानों पर पुलिस निगरानी, स्पीड नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को मजबूत किया जाए, ताकि लगातार हो रही दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

मशक्कत करनी पड़ी। बाद में मौके पर मौजूद लोगों ने

बुलडोजर और जेसीबी की मदद से उन्हें बाहर निकाला। इसके



बाद पुलिस वाहन 112 की सहायता से राम गणेश माधुरे को

उपचार के लिए छिंदवाड़ा अस्पताल पहुंचाया गया।

सांसद ने मंत्री पटेल, सिलावट, सुश्री भूरिया एवं सारंग से की मुलाकात

सांसद ने छिन्दवाड़ा-पांडुर्ना में विकास कार्यों को लेकर मंत्रियों से की भेंट



मंत्रियों से मुलाकात करते हुए छिन्दवाड़ा और पांडुर्ना के विकास को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा करते हुए उन्हें दोनों जिले के विकास कार्यों के लिए पत्र भी दिए हैं। सांसद के प्रयासों से अब जल्द ही जनपद पंचायत छिन्दवाड़ा की ग्राम पंचायत खापाकला में क्षतिग्रस्त पुलिया का

निर्माण कार्य शीघ्र हो सकेगा। अपने भोपाल प्रवास के दौरान सांसद बंटी विवेक साहू ने दोनों जिलों के विकास कार्यों को लेकर जहां पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला

जनसुनवाई: कलेक्टर ने सुनी

162 आवेदकों की समस्याएं



छिन्दवाड़ा। राज्य शासन के जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत प्रति सप्ताह मंगलवार को आम नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई की जाती है और संबंधित विभाग के अधिकारियों से इन समस्याओं का त्वरित निराकरण कराया जाता है। कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायण ने आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में 162 आवेदकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये। जनसुनवाई में मुख्य रूप से जमीन का सीमांकन करने, नदस्थ दुरुस्त करने, अतिक्रमण हटाने एवं नाला गहरीकरण करने, अनुकम्पा नियुक्ति दिलाने, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, बिजली पानी की समस्या आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने की व्यवस्था भी की गई थी। कलेक्टर श्री नारायण ने विभिन्न आवेदकों में तत्काल प्रकरण नोट करते हुए तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कई प्रकरणों को समय सीमा की बैठक में समीक्षा के लिए भी विद्युत्किता किया। जनसुनवाई कार्यक्रम में आज ग्राम पलटवाड़ा के समस्त ग्रामवासियों ने परम्परागत रास्ता जो पलटवाड़ा- शिवपुरी- छिंदवाड़ा मार्ग तक जाता है इस शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने एवं परम्परागत रास्ते को चालू रखने, ग्राम डोब के श्री मादू ने भूमि का पट्टा प्रदाय करने, जुन्नारदेव की श्रीमती पुष्पा बेनिया ने भूमि का उचित सीमांकन कर भूमि का कब्जा दिलाने, हरई के ग्राम मेंहदा के श्री सुरेश उर्डके एवं अन्य किसानों ने कृषि भूमि पर हवा-तूफान से गिरे वृक्षों की जांच कर काटने व उठाने की अनुमति एवं नष्ट हुई फसल का मुआवजा दिलाने, ग्राम बेलगाँव के श्री शिवकुमार मर्सकोले ने हलाज हेतु आर्थिक सहायता दिलाने, नगर के वाई नंबर -19 के श्री राममर्रोस साहू ने वृक्षारोपण दिलाने एवं छिंदवाड़ा नगर के वाई नंबर -3 वीर सारकर वाई गिहठी खदान के समस्त निवासियों ने वाई में रोड और नाली बनवाने आदि के आवेदन प्रस्तुत किये।

गति और गुणवत्ता के साथ प्रगतिरत निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए



छिन्दवाड़ा। कलेक्टर हरेंद्र नारायण ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय के मिनी सभाकक्ष में विभिन्न विभागों के अंतर्गत स्वीकृत एवं प्रगतिरत निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक की। यह बैठक दो सत्रों में आयोजित की गई थी जिसमें प्रथम सत्र में सड़क संबंधी विभागों में लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण, एम पी रोड डेव्लपमेण्ट कांफरेन्स, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना आदि के अधिकारियों के साथ निर्माणाधीन सड़कों एवं पुलों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा की गई, तो वहीं दूसरे सत्र में भवन एवं अन्य निर्माण कार्यों से संबंधित विभागों, जिनमें म.प्र. भवन विकास निगम, लोक निर्माण विभाग (भवन), स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत निर्माणाधीन और प्रगतिरत कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री नारायण ने सभी निर्माण एजेंसियों को सख्त निर्देश दिये कि निर्माण कार्यों में गति लाएं और गुणवत्ता के साथ प्रगतिरत निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराएं। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ठेकेदार के साथ ही निर्माण एजेंसी की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत पूर्ण हो चुके उप स्वास्थ्य केंद्रों के रंग - रोगन एवं परिसर स्वच्छता का कार्य भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये, जिससे इन्हें आमजन के उपयोग के लिए शुरू कराया जा सके। बैठक में सड़क, भवन एवं अन्य निर्माण संबंधी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

स्कूल चलो अभियान' का खोखला दावा : पीपला के प्राथमिक स्कूल में छत से टपकता है पानी

मासूम बच्चों की जान जोखिम में, भविष्य के साथ हो रहा खुला खिलवाड़

हरिभूमि न्यूज

एक तरफ सरकार 'स्कूल चलो अभियान' के तहत शत-प्रतिशत नामांकन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का दम भर रही है, वहीं दूसरी ओर धरातल पर स्थिति बेहद चिंताजनक है। इसका जीवंत उदाहरण तहसील सौंसर के शासकीय प्राथमिक शाला, पीपला नारायणवार में देखने को मिल रहा है, जहाँ जर्जर छत बच्चों की शिक्षा के बजाय उनके लिए खतरा बन गई है।

प्राप्त जानकारी और विद्यालय की प्रधानाध्यापिका प्रमिला गायधने द्वारा कलेक्टर पांडुर्णा को सौंपे गए आवेदन के अनुसार, स्कूल भवन की छत पर लगे कनेलू पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। इसका भूतया कारण बंदरों का आतंक बताया जा रहा है, जिन्होंने छत को बुरी तरह



नुकसान पहुँचाया है। स्थिति यह है कि बरसात के मौसम में स्कूल के कमरों और कार्यालय की छत से सीधे पानी टपकता है, जिससे न केवल शिक्षण कार्य बाधित हो रहा है, बल्कि क्षतिग्रस्त कनेलूओं के कभी भी गिरकर बच्चों पर गिरने का डर बना हुआ है। स्कूल प्रबंधन ने कलेक्टर से गुहार लगाई है कि पुरानी और जर्जर छत के कनेलू हटाकर

वहां टीन शेड लगाया जाए, ताकि बच्चों को सुरक्षित माहौल मिल सके। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक तरफ सरकार साक्षरता का अभियान चला रही है, तो दूसरी तरफ बुनियादी ढांचे के अभाव में बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर शिक्षा लेने को मजबूर हैं। अब देखना यह होगा कि प्रशासन कब तक इस जर्जर स्कूल की सुध लेता है और कब तक इन

मासूमों को सुरक्षित छत नसीब होती है। इधर सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह पहले स्कूल नहीं है जहां पर अव्यवस्था एवं छतो से पानी टपक रहा है। पीपला नारायण वार क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामीण भागों में कई ऐसे स्कूल है जहां पर शौचालय, पेयजल और बैठने की व्यवस्था नहीं है बावजूद इसके जिम्मेदारों के द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

सौंसर नगर पहुंची व्यसन मुक्ति अभियान की रैली

सौंसर। आनंदग्राम क्रमांक 3 संवरनी के तत्वावधान में ग्रामीण अंचल में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए मंगलवार को ग्राम संवरनी से भव्य 'व्यसन मुक्ति अभियान' का शुभारंभ किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज को नशे के दुष्प्रभावों और अंधविश्वास से मुक्त करना है। अभियान के तहत एक विशाल मोटरसाइकिल रैली निकाली गई, जो संवरनी से शुरू होकर पारडसिंगा, तीनखेड़ा, साईंखेड़ा, जामसांवली और खांडसिवनी जैसे प्रमुख ग्रामीण मार्गों से होते हुए सौंसर नगर में पहुंची। इस बाइक रैली में 500 से अधिक महिला-पुरुषों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। सौसर नगर के वार्ड क्रमांक एक, दो, पांच में कार्यक्रमोंओं ने घर-घर जाकर नागरिकों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और आर्थिक नुकसान के प्रति जागरूक किया।कार्यक्रम के दौरान संस्था अध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश के मानदस्थित नंदकिशोर तांडेकर ने बताया कि इस अभियान के तहत उन व्यक्तियों से विशेष रूप से मेंट की गई जिन्होंने सफलतापूर्वक नशा छोड़ दिया है। उनके परिवारों की आर्थिक प्रगति की समीक्षा कर अन्य लोगों को भी इससे प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया। रैली के अंत में उपस्थित सभी नागरिकों और कार्यक्रमोंओं ने एक स्वर में जीवनम्बर नशा न करने का संकल्प लिया। उल्लेखनीय है कि संस्था अब तक 3200 से अधिक परिवारों को नशा मुक्त कर चुकी है। साथ ही, इन परिवारों को समय-समय पर अंधविश्वास के खिलाफ जागरूक कर समाज में एक नई चेतना जगाने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है।



राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ की बैठक में जातिगत, जनगणना और आरक्षण पर हुआ मंथन



छिंदवाड़ा: राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन माली समाज भवन, वार्ड नंबर 25 बरारीपुरा, छिंदवाड़ा में प्रदेश अध्यक्ष निरुपा ङ्गहे के नेतृत्व में किया गया। उक्ताशय की जानकारी प्रचार मंत्री संगीता दिलीप चरपे ने देते हुये बताया कि इस अवसर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष रत्नमाला पिसे राष्ट्रीय ओबीसी महिला महासंघ उपस्थित रही। जिनका ओबीसी सामाजिक बंधुओं के साथ जिला माली परिषद छिंदवाड़ा के पदाधिकारियों ने उनके प्रथम छिंदवाड़ा आगमन पर मध्य पुष्पमाला से आत्मीयता के साथ स्वागत अभिनंदन किया। इस अवसर पर रत्नमाला पिसे ने वरिष्ठ समाजसेवी क्रांतिवीर महात्मा उज्जतौबा फुले व ज्योति सावित्री बाई फुले के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित करके नमन करते हुए उपस्थित सभी सामाजिक बंधुओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि ओबीसी जाति निकाय जनगणना सूची में ओबीसी का स्वतंत्र कालम दर्ज नहीं किया गया है। जिसके कारण ओबीसी वर्ग की जनगणना की सही जानकारी का पता नहीं चल पायेगा। इसके लिए रामलीला मंडल दिल्ली में सभी राज्यों से ओबीसी एकजुटता परिचय देते हुए शासन से शांति पुर्तक संचिधानिक अधिकारों के साथ आंदोलन की रणनीति राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ बना रहा है। ठीक मध्यप्रदेश में भी ओबीसी 13 प्रतिशत होल्ड हटाकर 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के लिए मध्यप्रदेश राज्य सरकार को भी बार बार अनुरोध व निवेदन करते हैं पर अभी तक ओबीसी वर्ग के हित में सरकार निर्णय नहीं ले रही है, इस विलंब के कारण ओबीसी को सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने के लिए बाध्य कर रही है। परंतु अब राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ मध्यप्रदेश इसके लिये प्रयास जारी रखेगा।

नवांकुर सखी–हरियाली यात्रा से दिया हरियाली एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड वारासिवनी के मार्गदर्शन में ग्रामीण आंचलिक कृषक समाज समिति एवं नवांकुर संस्था के तत्वावधान में ग्राम पंचायत भांडी में “नवांकुर सखी–हरियाली यात्रा” कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की सक्रिय सहभागिता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, पौधारोपण एवं हरियाली के प्रति ग्रामीण समाज में जन-जागरूकता बढ़ाना रहा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती माया उड्डेक जनपद अध्यक्ष वारासिवनी, विशेष अतिथि मनोज टेम्परे जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि, श्रीमती पुष्पा बिसेन, पूर्व जनपद अध्यक्ष वारासिवनी, निरंजन बिसेन, फुलचंद पटेल, जनपद सदस्य, सुरेंद्र भागत समन्वयक अधिकारी, योगेश बोकडे डायरेक्टर संकल्प कंप्यूटर इंस्टिट्यूट एंड टेक्नोलॉजी एवं समाजसेवी दिलीप राहांगडाले उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में संकल्प कंप्यूटर इंस्टिट्यूट एंड टेक्नोलॉजी के डायरेक्टर एवं विशेष अतिथि योगेश बोकडे की विशेष सहभागिता रही। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल पौधा लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि लगाए गए प्रत्येक पौधे को पेड़ बनने तक उसकी जिम्मेदारी



निभाना ही वास्तविक पर्यावरण सेवा है।श्री बोकडे ने कहा कि आज का एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, छाया और सुरक्षित पर्यावरण का आधार बन सकता है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं से पर्यावरण संरक्षण के अभियान को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि “नवांकुर सखी–हरियाली यात्रा” जैसी पहल समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम है। यदि प्रत्येक परिवार एक पौधे को अपने परिवार के सदस्य की तरह अपनाकर उसकी देखभाल करे, तो आने वाले वर्षों में हमारे गांव और क्षेत्र हरियाली से भर सकते हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षण, पौधारोपण एवं हरियाली के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उपस्थित महिलाओं, ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने पौधारोपण तथा पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया।

अहिल्या देवी होलकर की 231वीं पुण्यतिथि मनाई



हरिभूमि न्यूज उकवा।

वार्ड नंबर 6 विनस नगर दिनांक 13 अगस्त 2026 को अहिल्या देवी होलकर की 231 वे पुण्यतिथि सम्वेप्रथम अहिल्यादेवी की छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर स्मरण किया कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व सरपंच श्रीमती सोमवती मरावी द्वारा माल्यार्पण कर उनके जीवनी पर जनकल्याणकारी बलिदान पर बताया श्रीमती उषा गिरे समाजसेवी ने अहिल्यादेवी होलकर लोक माता श्लोक राजमाता बारे में बताया उनका जन्म 31 में 1725 महाराष्ट्र के चंडी गांव में हुआ लोकमाता अहिल्या

देवी होलकर किताब की धरोहर इंदौर एवं महेश्वर दिखाई देती है भारतवर्ष में वीरगंगनाओं के बलिदान और उत्कर्ष का समृद्धि इतिहास है इतिहास में ऐसी वीरगंगना थी अहिल्यादेवी अपना मर्यादित व्यवहार आदर्श आचरण संहिता जीवन सीमा में रहकर 30 वर्ष तक कुशल संचालन किया संघर्ष में जीवन जी कार्यक्रम में उपस्थित सरपंच रामवती उड्डेक उषा गिरे समाजसेवी कमला चौहान माया चौहान अनीता मेश्राम विनीता नंदेश्वर प्रतीक्षा गिरे आशा धंध्रे लता कोसरिया रामवती उड्डेक मंजू नेहा खूशबू पूरी एवं बच्चों ने अपना योगदान दिया।

धान रोपाई कर रही महिला को खेत के कीचड़ में पटककर मारपीट का आरोप, पांच लोगों पर गंभीर आरोप

जमीन विवाद में महिला को दलदल में दबाने की कोशिश का आरोप, बचाने पहुंचे मजदूरों से भी मारपीट; घायल महिला अस्पताल में भर्ती

लांजी क्षेत्र के ग्राम मीरिया में जमीन विवाद को लेकर धान की रोपाई कर रही एक महिला के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पांच लोगों पर खेत में पहुंचकर उसके साथ मारपीट करने, कीचड़ में पटककर दबाने का प्रयास करने और डंडों से हमला करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना के बाद घायल महिला को डायल-108 एंबुलेंस की मदद से सिविल अस्पताल लांजी लाया गया, जहां उसका उपचार जारी है।



मामले की शिकायत लांजी पुलिस से की गई है और पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार, ग्राम मीरिया निवासी सतवंती पति मेहतर लाल उपरादे, उम्र करीब 45 वर्ष, अपने खेत में धान की रोपाई का कार्य कर रही थीं। सतवंती बाई का कहना है कि जिस भूमि पर वह और उनका परिवार खेती कर रहा है, उस पर वे कई वर्षों से फसल लगाते आ रहे हैं। पीड़िता के अनुसार, वह भूमि उनके पूर्वजों द्वारा उन्हें दी गई थी और अब तक खेती को लेकर किसी

प्रकार का बड़ा विवाद या हस्तक्षेप नहीं हुआ था।पीड़िता का आरोप है कि इसी जमीन को लेकर विवाद चल रहा था और मंगलवार को अचानक पांच लोग खेत में पहुंचे। आरोप है कि इन लोगों ने उसके साथ विवाद करते हुए मारपीट शुरू कर दी।

सतवंती बाई ने बताया कि आरोपियों ने उसके साथ खेत में ही मारपीट की और उसे कीचड़ में पटक दिया। पीड़िता का आरोप है कि पांचों लोगों ने उसे खेत में बने कीचड़ और दलदल में दबाने की

कोशिश की। इस दौरान महिला मदद के लिए चिल्लाती रही।पीड़िता के मुताबिक, खेत में उस समय कुछ मजदूर भी काम कर रहे थे। महिला को मुसीबत में देखकर मजदूर मौके पर पहुंचे और उसे आरोपियों के

चंगुल से बचाया। सतवंती बाई का आरोप है कि उसे बचाने पहुंचे मजदूरों के साथ भी आरोपियों द्वारा डंडों से मारपीट की गई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि विवाद के दौरान आरोपियों ने उसके साथ डंडों से भी मारपीट की, जिससे वह घायल हो गई। महिला का कहना है कि उसके साथ जिस तरह से मारपीट की गई, उससे उसे गंभीर चोट आई हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान उसे जान से मारने का प्रयास किया गया।

पोला और मोटमार मेले से पहले सीमावर्ती गांवों में फैला अवैध कच्ची शराब का कारोबार



पांडुर्णा। विकासखंड के ग्रामीण इलाकों में पिछले एक महीने से अवैध कच्ची शराब का निर्माण और कारोबार बेकाबू होता जा रहा है। आगामी पोला त्योहार और ऐतिहासिक मोटमार मेले की आहट के साथ ही क्षेत्र में अवैध निर्माता सक्रिय हो गए हैं। महाराष्ट्र सीमा से सटे नदी-नालों के किनारों और घनी झाड़ियों की आड़ में ठिकाना बनाकर बड़े पैमाने पर कच्ची शराब की भट्टियां खुल गयी हैं।- महाराष्ट्र सीमा से सटे गांव बने प्रमुख केंद्र -:प्राप्त जानकारी के अनुसार, विकासखंड के ग्राम नंदनवाडी, नीलकंठ, धवडीखापा, अंबाड़ा, वड्डा और वड्डा माल सहित दर्जनों गांवों में अवैध शराब का धंधा चरम पर है। विशेष रूप से महाराष्ट्र सीमा के पास स्थित नदी-नालों के किनारे शराब निर्माण की गुप्त इकाइयां बेधडक संचालित की जा रही हैं। आबकारी की दक्षिष्ट बेअसर, आरोपी फरार -:-आबकारी विभाग ने इस माह 4 से 5 बार छापेमारी जरूर की, लेकिन परिणाम शून्य ही रहा। विभाग के वाहन देखते ही शराब भट्टियों पर काम करने वाले मजदूर घने जंगलों और झाड़ियों का फायदा उठाकर फरार हो जाते हैं। हर बार महकमे को खाली हाथ या केवल सामग्री जब्त कर ही संतोष करना पड़ता है, जबकि असली कारोबारी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। बदमा व्यसन और महिलाओं का आक्रोश -:-गांव-गांव में सहजजैसे से उपलब्ध अवैध शराब के कारण किसान, मजदूर और युवा वर्ग तेजी से व्यसन की गिरफ्त में आ रहे हैं। इससे तंग आकर ग्रामीण महिलाएं हर एक-दो महीने में एकजुट होकर पांडुर्णा मुख्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराती हैं। हालांकि, प्रशासनिक दिलाई के चलते आबकारी की कार्यवाई 'ऊंट के मुंह में जीरा' साबित हो रही है। विशेष अभियान की मांग -:-ग्रामीणों और पीड़ित परिवारों ने मांग की है कि त्योहारों और मेले के महेंनजर विभाग को अगले दो-तीन महीनों तक निरंतर सचन अभियान चलाना चाहिए, ताकि अवैध शराब माफिया पर स्थायी नकेल कसी जा सके और क्षेत्र को इस सामाजिक बुराई से मुक्ति मिल सके।

विधायक कार्यालय में मनाई गई रानी अवंती बाई की जन्मजयंती



चौराई। विधायक चौधरी सुजीत सिंह के चौराई कार्यालय में कांग्रेस परिवार द्वारा 1867 स्वतंत्रता संग्राम की महानायिका अमर शहीद वीरगंगा रानी अवंती बाई की जन्मजयंती मनाई गई। इस मौके पर विधायक चौधरी सुजीत सिंह सहित उपस्थित जनों द्वारा रानी अवंती बाई के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये। विधायक चौधरी सुजीत सिंह ने कहा कि आजादी की लड़ाई में रानी अवंती बाई लोधी के बलिदान की हमेशा याद रखा जायेगा। केवल 27 वर्ष की उम्र में रानी अवंती बाई ने देश के लिये अपने प्राण न्योछवर किये। इस मौके पर नृत्तन व्हटवार व चंद्रजीत ठाकुर ने अपने विचार व्यक्त कर कार्यक्रम में हलों कांग्रेस अध्यक्ष तीर्थ ठाकुर, प्रेमेश साहू, रामेश्वर सोनी, धीरज खंडेलवाल, अंकित पांडे, बेनीसिंह पटेल, कन्हैया वर्मा, अशोक चौरसिया, सचिन वर्मा, शहीद मंसूरी, चंद्रजीत ठाकुर, विजय वर्मा, पुरपोतम वर्मा, लालजी शर्मा, अमिताभ गोेलू राऊत, सीरम जैन कापिल वर्मा, गुरु राज, पंकज वर्मा, अरविंद दाहिया, सतेद चिट्टे चौरसिया, बसंत वर्मा, संजय डेहरिया, बुधमान वर्मा, रंजीत चंद्रवंशी, शुभम वर्मा, उमा वर्मा, चंदू चौरिया, राहुल वर्मा, हरिओम वर्मा, विष्णु वर्मा, रामगान वर्मा सहित लोधी समाज के बंधु एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित थे।

मनेरी की ग्राम सभा में नहीं जुटे ग्रामीण, कोरम अधूरा रहने से बैठक स्थगित



विकास कार्यों में देरी को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी, चार माह से सड़क निर्माण का मटेरियल पड़ा; सचिव नहीं होने से काम प्रभावित होने का सरपंच ने दिया तर्क

हरिभूमि न्यूज लांजी। जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत मनेरी में मंगलवार को आयोजित ग्राम सभा ग्रामीणों की पर्याप्त मौजूदगी नहीं होने के कारण स्थगित करनी पड़ी। ग्राम सभा में निर्धारित कोरम पूरा नहीं होने के चलते बैठक में प्रस्तावित विषयों पर चर्चा आगे नहीं बढ़ सकी। अब ग्राम सभा की अगली बैठक 19 अगस्त को आयोजित किए जाने की बात कही गई है।ग्राम सभा में पहुंचे ग्रामीणों ने पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों की धीमी गति को लेकर नाराजगी जाहिर की। ग्रामीणों का कहना था कि गांव में कई जरूरी कार्य लंबे

समय से लंबित हैं, जबकि पंचायत के पास विकास कार्यों के लिए राशि उपलब्ध होने की बात सामने आती रही है। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर अपेक्षित कार्य नहीं होने से ग्रामीणों में असंतोष दिखाई दिया। ग्राम सभा में पहुंचे ग्रामीणों के अनुसार बैठक की सूचना पर्याप्त रूप से ग्रामीणों तक नहीं पहुंच सकी। यही वजह रही कि ग्राम सभा में अपेक्षित संख्या में ग्रामीण उपस्थित नहीं हुए और कोरम पूरा नहीं हो पाया। ग्रामीणों ने पंचायत स्तर पर ग्राम सभा की सूचना व्यापक रूप से प्रसारित किए जाने की आवश्यकता बताई।बैठक में पंचों की कम मौजूदगी का मुद्दा भी सामने आया। ग्रामीणों का कहना था कि ग्राम सभा गांव के विकास और समस्याओं पर चर्चा का महत्वपूर्ण माध्यम है, इसलिए इसमें पंचायत प्रतिनिधियों के साथ अधिक से अधिक ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

स्वतंत्रता दिवस की समस्त ग्रामवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ

सरपंच - अर्जुन सिंह उयके

उप सरपंच - करन सिंग उयके

सचिव - बी एल परते

ग्राम पंचायत सुकडी ग्रामवासी समस्त पंचगण

स्वतंत्रता दिवस की समस्त ग्रामवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ

सरपंच -भूमेशवरी मेरावी

उप सरपंच -राजेश्वरी उयके

रोजगार सहायक - अनिल त्रिवेदी

ग्राम पंचायत उददना ग्रामवासी समस्त पंचगण

खबर संक्षेप



हर्षोल्लास से महिलाओं ने मनाई हरियाली तीज
सिवनी। घंसोर के प्रसिद्ध मां काली मंदिर (कुल्लुधाम) में 15 अगस्त व हरियाली तीज के उपलक्ष्य में हरियाली महोत्सव मनाया गया। इसमें क्षेत्र की 30 से अधिक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम की आयोजक श्रीमती बबली कौशले, श्रीमती पुष्पा गोलहानी, श्रीमती संघ्या पटेल और श्रीमती पूजा सेन की मौजूदगी में राष्ट्रगान व श्रीगणेश पूजा वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर तीज झुला के साथ महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। महिलाओं ने एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य व सुमधुर गायन प्रस्तुत कर कार्यक्रम में समां बांध दिया। सावन पारंपरिक पर्व पर खुशी मनाते हुए सभी महिलाएं हरे रंग के परिधान में सजी नजर आईं और उन्होंने पारंपरिक रूप से सावन के झूलों का भरपूर आनंद लिया। यह आयोजन महिलाओं के लिए उल्लास और मनोरंजन से भरा एक यादगार दिन साबित हुआ।

शिक्षक परिणाम को लेकर लापरवाही ना बरतें -सैयाम

हरिभूमि न्यूज सिवनी। शालाओं में शैक्षणिक गुणवत्ता को लेकर हर शाला को गंभीर रूप से अध्यापन पर ध्यान देना है, अध्यापन कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं जाएगी, शालों में होने वाली परीक्षाओं को लेकर शाला प्रबंधन को ध्यान देना होगा तथा परिणाम को लेकर भी सभी स्टाफ को सजग रहना पड़ेगा उकताशय की बात विकासखंड शिक्षा अधिकारी महेंद्र सैयाम ने नेताजी स्कूल में विकासखंडस्तरी बैठक में व्यक्त किया। इस अवसर पर सिवनी विकासखंड के समस्त एसएनबीसी से जुड़े शिक्षक उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने अनेक बिंदुओं पर चर्चा की साथ ही एसएनबीसी के कार्यों को लेकर शिक्षकों को मार्गदर्शन दिया।

नवांकुर सखी हरियाली यात्रा ग्राम पंचायत सालीवाड़ा में धूमधाम से संपन्न

हरिभूमि न्यूज सिवनी। विख धनौरा जिला सिवनी मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद धनौरा अंतर्गत नवांकुर सखी हरियाली यात्रा कार्यक्रम ग्राम पंचायत सालीवाड़ा में आयोजित की गई जिसमें नवांकुर सखी पौधारोपण हरियाली अमावस्या का संदेश यात्रा का प्रारंभ रानी दुर्गावती चौक से प्रारंभ कर पंचायत भवन में संगोष्ठी के साथ समाप्त किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवांकुर सखियों के द्वारा मां सरस्वती व व महात्मा गांधी जी विधि विधान से पूजन कर किया गया। ग्राम की नवांकुर सखियों के द्वारा भजन व पौधे लेकर ग्राम के अंदर यात्रा निकली गई यात्रा में पेड़ लगाने का संदेश व नवांकुर सखी कार्यक्रम का उद्देश्य का उदघोष हुआ। यात्रा में पौधे लगाने तथा उन्हें संरक्षित करने के लिए नगर लाकर संदेश दिया गया । मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद ब्लॉक समन्वयक श्याम उर्डेके द्वारा नवांकुर सखी कार्यक्रम का उद्देश्य वृक्षारोपण का महत्व बताया गया जिसमें सभी सखी के द्वारा सौंपे गए पौधों को घर आंखें,खेतों में अपने बच्चों,सास समुर के जन्मदिवस या पुण्यतिथि में पौधरोपण कर हमेशा उसको सुरक्षित रखना है और उसकी देखभाल कर पौधों का संरक्षण करेगी।

विभागीय योजनाओं एवं औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने जागरूकता कार्यक्रम 20 अगस्त को

हरिभूमि न्यूज ►►सिवनी। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, सिवनी द्वारा विभागीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार एवं जिले में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार 20 अगस्त 2026, को प्रातः 11.00 बजे शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, सिवनी के सभाकक्ष

वाहन में 26 कैरेट, 2 बड़े थैले और 1 बड़े बोरे में मछलियां भरी पकड़ाई एक गिरफ्तार तीन फरार



हरिभूमि न्यूज ►►सिवनी।

दिनांक 15.08.2026 को पेंच टाईगर रिजर्व क्षेत्र अंतर्गत वन परिक्षेत्र कोर कर्माझिरी के अंतर्गत अवैध मत्स्याखेट गश्ती दल को पेंच जलाशय में 30-40 नाव और वरिष्ठ अधिकारियों को देते पर तुरंत मुखबिर तंत्र को एक्टिव किया गया। दूसरे दिन सबरे मुखबिर से जानकारी मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में कर्माझिरी, रूखड़ और कुरई परिक्षेत्र के वन अमले की 3 अलग-अलग दल बनाकर गुमतरा से सिवनी वाले मार्ग में जगह-जगह पर निगरानी की गयी।

तत्पकश्चालतगाड़ी का पीछा करते हुए घेराबंदी की गयी एवं सिवनी पुलिस के सहयोग से मछलियों से भरे टवेरा वाहन क्रमांक एमएच 02 एयू 7721 को सिवनी के बारापत्थर क्षेत्र में पकड़ा गया। पकड़े गए वाहन में 26 कैरेट, 2 बड़े थैले और 1 बड़े बोरे में मछलियां भरी हुई थी। जिनका कुल वजन 1044.700 किलोग्राम निकला। घटना में संलिप्त और मौका स्थल से पकड़े गए आरोपी संजय टेकाम निवासी ग्राम गुमतरा जिला छिंदवाड़ा के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण क्रमांक 8884/ 19 दिनांक 16.08.2026 जारी कर आरोपी को माननीय न्यायालय में दिनांक 17/08/2026 को पेश



किया गया जहां से माननीय न्याकयालय द्वारा आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। मौके से 3 आरोपी फरार हैं। नेटवर्क की पहचान कर आगे की कार्रवाई हेतु जांच जारी है। इस कार्यवाही में परिक्षेत्र अधिकारी कर्माझिरी, परिक्षेत्र अधिकारी कुरई, परिक्षेत्र सहायक कुरई, परिक्षेत्र सहायक टुरिया, एवं कुरई, रूखड़ एवं कर्माझिरी परिक्षेत्र का वन अमला शामिल रहा। पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी प्रबंधन द्वारा विगत वर्षों में अवैध मत्स्याखेट पर प्रभावी नियंत्रण रखने हेतु समय-समय पर ऑपरेशन वाईल्ड ट्रेप एवं अंतर्राज्यीय संयुक्त गश्ती के दौरान

कुल 461 नाव, 28039 नग जाल जप्त कर नष्ट किये गये तथा 25 वाहन जप्त किये जिसमें से 24 वाहन शासन पक्ष में राजसात किये गये हैं एवं शेष 01 प्रकरण में वाहन राजसात की कार्यवाही प्रचलित है। विगत वर्षों में कुल 57 प्रकरण पंजीबद्ध किये गये हैं। उक्त प्रकरणों में कुल गिरफ्तार 111 आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करते हुये माननीय न्यायालय में पेश किया गया जिसमें से 09 प्रकरणों में 27 आरोपियों को माननीय न्यायालय द्वारा दोषी पाया जाकर दण्डित किया गया है। शेष प्रकरण माननीय न्यायालय में विचारधीन है।

उगली के मसानेटोंग और लालमाटी के किसानों की एक ही पुकार, अब आश्वासन नहीं, खेतों तक पानी चाहिए तीन माह की समय-सीमा, काम नहीं हुआ तो बड़े किसान आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ►►सिवनी।

जिले के केवलारी विधानसभा क्षेत्र के उगली क्षेत्र के मसानेटोंग एवं सिवनी तहसील के लालमाटी क्षेत्र के किसानों की वर्षों पुरानी सिंचाई समस्या अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। किसानों ने साफ शब्दों में कहा है कि अब उन्हें आश्वासन नहीं, बल्कि खेतों में पानी चाहिए। किसानों की मांग है कि दोनों क्षेत्रों में जलाशय निर्माण के साथ माइक्रो लिफ्ट सिंचाई परियोजना तैयार कर खेतों तक पानी पहुंचाने का काम तत्काल शुरू किया जाए। किसानों का कहना है कि बारिश के मौसम में क्षेत्र में पर्याप्त पानी उपलब्ध होता है, लेकिन उसका समुचित संग्रहण एवं उपयोग नहीं होने के कारण बारिश समाप्त होते ही खेत पानी के लिए तरसने लगते हैं। हर वर्ष किसान मेहनत और उम्मीद के साथ फसल बोता है, लेकिन सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से उसकी पूरी मेहनत मौसम की मेहरबानी पर निर्भर हो जाती है। तीन माह की समय-सीमा, काम नहीं हुआ तो आंदोलन- आशीष भैरम आशीष भैरम ने कहा कि किसानों



20 वर्षों से जलाशय की मांग, अब टूट रहा किसानों के सत्र का बांध: संजय चंद्रवंशी
लालमाटी क्षेत्र के किसान संजय चंद्रवंशी ने कहा कि हम पिछले 20 वर्षों से अपने खेतों में सिंचाई के लिए जलाशय की मांग कर रहे हैं। वर्षों से हमें बार-बार आश्वासन दिए जाते रहे, लेकिन आज तक धरातल पर कोई ठोस काम नहीं किया गया। किसानों का शोषण हो रहा है और उनकी मेहनत का उचित परिणाम उन्हें नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि अब हम चुप बैठने वाले नहीं हैं। शासन एवं प्रशासन को किसानों की पीड़ा समझनी होगी। यदि निर्धारित समय-सीमा में काम शुरू नहीं हुआ तो किसानों को उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा। किसान अपने हक और अपने खेतों के पानी के लिए अंतिम दम तक संघर्ष करेंगे।

की यह लड़ाई केवल पानी के लिए नहीं, बल्कि उनकी मेहनत, फसल, आय और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की लड़ाई है। किसानों ने शासन एवं प्रशासन को तीन माह की समय-सीमा दी है। यदि इस समय-सीमा के भीतर किसानों की मांगों पर धरातल पर काम शुरू नहीं हुआ तो

बड़े किसान आंदोलन की चेतावनी दी गई है। उन्होंने कहा कि अब किसान केवल आश्वासन सुनकर चुप बैठने वाले नहीं हैं। तीन माह के भीतर यदि सर्वे, डीपीआर, स्वीकृति एवं धरातल पर काम की शुरुआत नहीं हुई तो किसान संगठित होकर आंदोलन

छपारा में सात दिवसीय आपदा मित्र प्रशिक्षण का द्वितीय सत्र प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ►►सिवनी।

भारत सरकार की आपदा मित्र योजना अंतर्गत जिला सिवनी में आपदा मित्रों के द्वितीय चरण का सात दिवसीय प्रशिक्षण उप तहसील छपारा में प्रारंभ हुआ। इस चरण में 60 आपदा मित्रों का चयन कर उन्हें आपदा के समय प्रथम रिसांडर के रूप में कार्य करने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस चर्चित आपदा मित्रों का पंजीयन किया गया। इसके उपरांत प्रशिक्षण के लिए आवश्यक पाठ्य सामग्री प्रदान की गई तथा प्रशिक्षणार्थियों में एकरूपता बनाए रखने के उद्देश्य से लाल टी-शर्ट वितरित की गई। पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तहसीलदार श्री सौरभ मरावी उपस्थित रहे। साथ ही जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रीन्द्र मोंणा,



उडनदस्ता दल की पैनी नजर
मंडी समिति घंसेर द्वारा मंडी अधिनियम के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए निरीक्षण और प्रवर्तन कार्रवाई लगातार जारी रखने की बात कही गई है। कृषि उपज के परिवहन में नियमों की अनदेखी करने वालों पर मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई किए जाने से कारोबारियों में भी सतर्कता बढ़ी है। इस कार्रवाई को स्थानीय उडनदस्ता दल की प्रमारी श्रीमती रीता मरावी प्रमारी मंडी निरीक्षक, हीरा सिंह तेकाम प्रमारी मंडी निरीक्षक, मनोज कुमार (उप निरीक्षक), चालिक राम अहिरवार उप निरीक्षक तथा सूरज सोनकुसले सहायक वेड-3 ने संपादित किया।

किसानों का सवाल—जब पानी आसपास है तो खेत प्यासे क्यों?

किसानों ने सवाल उठाया है कि जब बरसात में क्षेत्र में पानी उपलब्ध होता है और जलस्रोत मौजूद हैं, तो उस पानी को संरक्षित कर किसानों के खेतों तक पहुंचाने की स्थायी व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है? जिस किसान को मेहनत से प्रदेश का अन्न भंडार भरता है, वही किसान अपनी फसल के लिए हर वर्ष आसमान की ओर देखने को मजबूर क्यों हो? किसानों का कहना है कि सिंचाई सुविधा मिलने से न केवल उनकी फसल उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र के हजारों किसान परिवारों की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।

अब आश्वासन नहीं, धरातल पर काम चाहिए

किसानों ने शासन एवं प्रशासन से मांग की है कि तीन माह के भीतर मसानेटोंग एवं लालमाटी क्षेत्र की सिंचाई परियोजनाओं पर ठोस कार्यवाही प्रारंभ की जाए। किसानों की मांग है कि परियोजना का सर्वे, डीपीआर, प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति तथा निर्माण की प्रक्रिया समय-सीमा के भीतर शुरू की जाए। यदि निर्धारित समय-सीमा में ठोस कार्यवाही नहीं हुई तो दोनों क्षेत्रों के किसान संगठित होकर बड़ा किसान आंदोलन करेंगे। किसानों ने स्पष्ट किया है कि यह किसी एक व्यक्ति या गांव की मांग नहीं है, बल्कि हजारों किसान परिवारों के भविष्य से जुड़ा सवाल है। अब सवाल सिर्फ पानी का नहीं है सवाल किसान की मेहनत का है, उसकी फसल का है, उसकी आय का है और उसके बच्चों के भविष्य का है।

का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगे। शासन-प्रशासन को किसानों की इस चेतावनी को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों की मांग

पूरी तरह स्पष्ट है सर्वे हो, डीपीआर तैयार हो, स्वीकृति मिले और धरातल पर काम दिखाई दे। किसानों को फाइलों और आश्वासनों में नहीं, बल्कि अपने खेतों में पानी चाहिए।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में 258 आवेदन प्राप्त कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने सुनीं आमजन की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज सिवनी। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें 258 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह, अपर कलेक्टर श्री नीलमणी अग्रिमहोत्री सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति रही। कलेक्टर श्रीमती मीना ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विभागों के विभाग प्रमुखों को समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। आयोजित जनसुनवाई में तहसील लखनादेन अंतर्गत गाम घोंघरीकला निवासी नरेंद्र सिंह राजपूत द्वारा राजस्व रिकॉर्ड ऑनलाइन दुरुस्त करायें जाने को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया गया था। कलेक्टर श्रीमती मीना ने आवेदक की समस्या के त्वरित निराकरण के लिए तहसीलदार लखनादेन को निर्माणानुसार कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया है। सिवनी



निवासी शिवाल सिंह अंतर्जतीय विवाह प्रोत्साहन योजना का लाभ दिलाये जाने की मांग को लेकर जनसुनवाई पहुंचे थे, कलेक्टर श्रीमती मीना ने सामाजिक न्याय विभाग को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। गाम टिकी टोला निवासी राजाराम उडके द्वारा किसान सम्मान निधि की राशि दिलाये जाने को लेकर आवेदन

प्रस्तुत किया गया था, जिसके लिए न्याय तहसीलदार बंडोल को आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है। इसी तरह तहसील बरघाट अंतर्गत गाम केसलाकला निवासी मीना बाई द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाये जाने विषयक, गाम बटवली सिवनी निवासी प्रति बघेल द्वारा मुख्यमंत्री आर्थिक सहायता राशि दिलाये जाने व, गाम जैतपुरकला निवासी बालवती बघेल द्वारा बीपीएल कार्ड एवं राशन पर्ची बनाने जाने विषयक, तहसील लखनादेन अंतर्गत गाम मोहगामकला निवासी डोरीलाल पटेल द्वारा राजस्व अभिलेख नक्शा दुरुस्त करायें जाने विषयक, गाम भोगा सिवनी निवासी सरस्वती बाई द्वारा वृद्धापेंशन योजना का लाभ दिलाये जाने विषयक, कस्तूरबा वाई सिवनी निवासी साजिद हुसैन द्वारा संबल कार्ड योजना का लाभ दिलाये जाने संबंधी आवेदन सहित 258 आवेदकों द्वारा आवेदन प्रस्तुत किए गए।

